दशहरा/दुर्गापूजा के अवसर पर सुरक्षा हेतु जरूरी सलाह (Advisory)

दशहरा/दुर्गा पूजा के अवसर पर पूजा पंडालों, दशहरा मेला एवं रावण वध के अवसर पर बच्चों, महिलाओं, युवकों एवं वृद्धों को भारी भीड़ इकठ्ठी होती है। ऐसे में भीड़ प्रबंधन करना प्रशासन के लिए चुनौती भरा काम हो जाता है, परंतु यदि हम सभी अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहें तथा भीड़ प्रबंधन हेतु प्रशासन के निर्देशों का पालन करें तो हम निर्विघ्न रूप से इस महान पर्व का आनन्द ले सकते हैं। आइए हम निम्न सलाह पर अमल कर दशहरा एवं दुर्गा पूजा के अवसर पर स्वयं तथा अपने शहर/गाँव को आपदा मुक्त रखें:

जिला प्रशासन

क्या करें

- पूजा पंडालों/दशहरा मेले में आगमन एवं निकास की समुचित व्यवस्था (पुरूष एवं महिलाओं के लिए अलग–अलग) यथा बैरिकेडिंग की व्यवस्था
- चिकित्सा दल एवं एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था।
- बिजली के तारों एवं उपकरणों में सुरक्षा के पूर्ण उपायों की व्यवस्था।
- पार्किंग की समुचित एवं सुचारू व्यवस्था।
- विसर्जन में प्रयुक्त नावों में सुरक्षा संबंधी उपाय एवं गोताखोरों की व्यवस्था।
- भीड़ नियंत्रण के लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना/लाउडस्पीकर से लगातार आवश्यक सूचनाओं की घोषणा।
- मूर्तियों के विसर्जन हेतु घाटों एवं स्थलों को चिह्नित कर लिया जाय।
- आग से बचाव की समुचित व्यवस्था।
- समुचित रोशनी की व्यवस्था।
- विसर्जन क्रमबद्व रूप से कराया जाय।
- पूजा पंडालों/मेला या विसर्जन स्थलों पर पटाखा आदि का इस्तेमाल न हो।

क्या न करें

- भीड़ को एक जगह एकत्रित न होने दें।
- एक ही ओर से भीड़ को आने और जाने न दिया जाय।
- किसी भी प्रकार की अफवाह न फैलने दिया जाय।
- बिजली के तारों एवं उपकरणों के पास लोगों को न जाने दें।
- किसी भी प्रकार की अराजकता न फैलने दिया जाय।
- मूर्ति विसर्जन के समय नावों में निर्धारित/लदान क्षमता से ज्यादा लोगों को न बैठने दिया जाय।

सामान्य नागरिक

क्या करें

- पूजा पंडालों/मेले में चलते–फिरते रहें, अनावश्यक रूप से एक स्थल पर भीड़ न लगाएं।
- यदि आप छोटे बच्चों, महिलाओं, बीमारों या वृद्धों को मेले में लेकर जा रहे हैं तो उनके जेब में (या गले में लॉकेट की तरह) घर का पता और फोन नंबर आवश्य रख दें।
- यदि आप परिवार या समूह के साथ हैं तो किसी आपात स्थिति में मेला क्षेत्र के बाहर मिलने का एक स्थान सुनिश्चित कर लें। एक दूसरें का फोन नबंर साथ रखें।
- भगदड़ के समय संयम पूर्ण व्यवहार करें और घबराएं नहीं।
- किसी भी आपात स्थिति में तत्काल नियंत्रण कक्ष में संपर्क करें।
- अपने बहुमूल्य समानों की रक्षा स्वयं करें।
- बिजली के तारों और उपकरणों से दूर रहें।
- प्रशासन की ओर से की जाने वाली घोषणाओं को ध्यान से सुनें और उसके अनुसार व्यवहार करें।

क्या न करें

- किसी प्रकार की अफवाह न फैलाएं और न ही उन पर ध्यान दें।
- मेले में साथ लाये बच्चों को अकेला न छोड़े न ही उन्हें इधर–उधर जाने दें।
- दुर्गा पूजा के मूर्ति विसर्जन में तैराकी न जानने वाले पानी के भीतर न जाएं।
- मेले में किसी भी प्रकार के पटाखे/ज्वलनशील पदार्थ न ले जाएं तथा धूम्रपान न करें।
- मेले में किसी भी प्रकार की अराजकता न फैलाएं।

कोविड से बचाव संबंधी सावधानियाँ

1. कोविड–19 संक्रमण से बचाव संबंधी प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए मास्क लगाएँ, सामाजिक दूरी बनाये रखें एवं हाथों को साबुन से बार–बार धोएं।
2. सर्दी–खांसी, बुखार, एन्टी एलर्जी संबंधी दवाएँ एवं कोविड–19 संक्रमण से संबंधी सामान्य दवाओं का भी संग्रहण अवश्य कर लें।
3. कोविड–19 के दृष्टिगत सेनेटाईजर/साबुन एवं पल्स ऑक्सीमीटर भी साथ रखें।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

द्वितीय तल, पंत भवन, नेहरू पथ (बेली रोड़), पटना–800001, फोनः (0612) 2522032, फैक्सः (0612) 2547311

Visit us: www.bsdma.org; e-mail:info@bsdma.org अन्य उपयोगी फोन नं0, राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (SEOC)- (0612) 2294204/205

आपदा नहीं हो भारी यदि पूरी हो तैयारी ॥